Directorate of Distance Education

B.R. Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur

T.D.C. 3rd Semester Examination 2015 (Session 2014-17)

L.L. Hindi (Subsidiary)Paper-III

Model Paper

(चार प्रश्नोत्तर 2x15=30 एवं दो व्याख्याएँ 1x10=10)

०१. 'गबन' उपन्यास के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

०२. उपन्यास-कला की दृष्टि से 'गबन' की समीक्षा कीजिए।

०३. 'जालपा', अथवा 'जोहरा' अथवा रमानाथ अथवा देवीदीन का चरित्रांकन कीजिए।

०४. 'उसने कहा था' 'पूस की रात' अथवा 'शरण दाता' अथवा 'वापसी' कहानी की समीक्षा कीजिए।

०५. 'कहानी का प्लाट' अथवा 'पत्नी' कहानी के कथ्य एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

<u>व्याख्याएँ:-</u>

०१. अमीरी की कब्र पर पनपी हुई गरीबी की घास बड़ी जहरीली होती है।

०२. मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है।

०३. संसार किसी भी स्वतंत्रता को सह नहीं पाता। धर्म को तो वह और भी अधिक जकड़ देना चाहता है।

०४. कर्ज से बड़ा पाप दूसरा नहीं। न इससे बड़ी विपत्ति दूसरी है।

०५. विपत्ति से इन्सान का मन अन्तर्मुखी होता है।

०६. सन्देह का भार पुरूष ढोता है, स्त्री विश्वास चाहती है।